

आमृत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 25

लखनऊ, बुधवार 07 अक्टूबर 2026 से 13 अक्टूबर 2026 तक

पृष्ठ—8

मूल्य : एक रुपया

भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

लखनऊ। कप्तान श्रेयस अय्यर ने टी२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा, जबकि पदार्पण कर रहे हरफनमौला नमन धीर ने

तीन विकेट चटकाए जिससे भारत ने मंगलवार को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टी२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को आठ

विकेट से करारी शिकस्त दी। धीर ने चार ओवर में ३१ रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने दो-दो

विकेट चटकाए। इससे वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए १६.१ ओवर में १७१ रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा

भारत के खिलाफ १६.१ ओवर में १७१ रन बनाये। अटल बिहारी इकाना स्टेडियम पर अपने पदार्पण मैच में हरियाणा के गेंदबाज नमन धीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुये ३१ रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके। उन्होंने अपने स्पेल के सिलसिलेवार तीन ओवरों में पिच पर खतरनाक नजर आ रहे वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप (५२) का विकेट झटक कर मेहमान टीम को बैकफुट पर ढकेल दिया। जबकि बाद में उन्होंने रोमारियो शेफर्ड (७) और शमर सिंगर (६) को सस्ते में चलता कर मेहमान टीम की रनो की रफ्तार में लगातार



कस दी। धीर की लय को बरकरार रखने में दूसरे छोर पर अनुभवी कुलदीप यादव (३३ रन पर दो विकेट) का योगदान अहम रहा जिन्होंने रोस्टन चेज (५) और मैथ्यू फोर्ड (२) के विकेट झटके। मैथ्यू छक्का जड़ने के प्रयास में सीमा रेखा के पास ईशान किशन के हाथों लपके गये। १६वें ओवर के अंत तक मेहमान टीम के आठ खिलाड़ी १३५ रन पर पवेलियन लौट चुके थे और लगने लगा था कि मेहमान १६० रन के आसपास ही बना पायेंगे, मगर आखिरी के ओवरों में रदरफोर्ड ने पुछल्ले बल्लेबाजों की मदद से रन गति को रफ्तार दी और पूरी टीम के १६.१ ओवर में वापस लौटने से पहले १७१ रन स्कोरबोर्ड पर टंग चुके थे। मयंक यादव अपने शुरुआती स्पेल पर खर्चीले दिखे मगर बाद के दो ओवर में उन्होंने खतरनाक रदरफोर्ड का विकेट चटका कर कप्तान और कोच के चेहरे पर मुस्कान ला दी। अर्शदीप ने अपने पदार्पण मैच खेल रहे कामिल पूरन (१२) को आउट किया जबकि शिमरन हेटमेयर (५) रन चुराने के चक्कर में विकेट गंवा बैठे जबकि अक्षर पटेल ने अपने इसी ओवर में तीर की तरह गेंद फेंक कर नये बल्लेबाज रोवमैन पोवेल (०) को क्लीन बोल्ट कर दिया।



अंत्योदय
6 करोड़+ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर



ग्राम स्वराज
10.58 लाख+ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.24 करोड़+ महिलाएं आत्मनिर्भर



स्वदेशी
देश के 60% मोबाइल का विनिर्माण उत्तर प्रदेश में



राजनीति का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याण और समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा होनी चाहिए।

-महात्मा गांधी

157वीं जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को कोटि-कोटि नमन!

“बापू के असाधारण जीवन एवं आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। साहस, सादगी, स्वच्छता, स्वदेशी एवं स्वरोजगार बड़े परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं, यह बापू ने हमें सिखाया। विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के अभियान में उनके बताए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।”

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश



(2 अक्टूबर, 1869-30 जनवरी, 1948)



खादी

₹162 करोड़+ के उत्पादों का विक्रय



सर्वोदय

1 करोड़+ एमएसएमई इकाइयां
4 करोड़ लोगों को आजीविका



स्वावलंबन/रोजगार

4.25 करोड़+ रोजगार/स्वरोजगार



स्वच्छता

100% ओडीएफ राज्य



आत्मनिर्भरता

22% खाद्यान्न उत्पादन
'देश का फूड बास्केट यूपी'

अंत्योदय से सर्वोदय की ओर

बापू की राह पर कदम बढ़ाएं
स्वच्छ-सशक्त उत्तर प्रदेश बनाएं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

मुख्यमंत्री
हेल्पलाइन 1076



सम्पादकीय

जन संघर्षों की आवाज बने विपक्ष, समाधान की ठोस नीति भी जरूरी

देशभर में अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की कहानियों को एक मंच पर लाना लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसमस्याओं को केंद्र में लाने का एक प्रयास है। इसके लिए उन्होंने 'सत्याग्रह' नाम से वेबसाइट शुरू की है। उनका कहना है कि लोगों की कहानियां देश के नक्शे पर दर्ज होंगी, ताकि संघर्ष कर रहे लोग एक-दूसरे के बारे में जान सकें। उन्होंने यह भरोसा भी दिलाया है कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में जहां भी उनकी जरूरत होगी, वे संसद, सड़क और अन्य माध्यमों से उनके साथ खड़े होंगे। इस पहल के जरिए उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका को जनसरोकारों से सीधे जोड़ने की कोशिश की है। इस पहल के प्रति लोगों की शुरुआती दिलचस्पी भी उल्लेखनीय है। बताया गया कि वेबसाइट शुरू होने के महज तीन दिनों के भीतर 30 हजार से अधिक कहानियां दर्ज कराई गईं। यह आंकड़ा उन समस्याओं और शिकायतों की व्यापकता की ओर संकेत करता है, जिनसे देश के विभिन्न हिस्सों में लोग जूझ रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और जातिगत भेदभाव जैसे मुद्दे आज भी बड़ी संख्या में नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं। ऐसे में लोगों को अपनी बात रखने का मंच उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाना महत्वपूर्ण है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विकास की तस्वीर को केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी परियोजनाओं और उपलब्धियों के दावों से नहीं समझा जा सकता। विकास का वास्तविक आकलन इस बात से होना चाहिए कि उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा है। यदि किसी बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं मिल रही, किसी परिवार को उचित स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है या किसी नागरिक को जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है, तो इन समस्याओं की अनदेखी करके समावेशी विकास का दावा पूरा नहीं माना जा सकता। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी शिकायतों को गंभीरता से सुने और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए। हालांकि, जनसंघर्षों की कहानियों को सामने लाना इस पूरी प्रक्रिया का केवल पहला चरण है। असली चुनौती इन समस्याओं के समाधान की है। वेबसाइट पर दर्ज शिकायतें यदि केवल आंकड़ों और राजनीतिक विमर्श तक सीमित रह जाती हैं, तो उनसे प्रभावित लोगों के जीवन में कोई ठोस बदलाव नहीं आएगा। इसलिए जरूरी है कि इन शिकायतों का व्यवस्थित वर्गीकरण हो, उनकी सत्यता की जांच की जाए और संबंधित विभागों तथा संस्थाओं तक उन्हें पहुंचाने की व्यवस्था बने। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि किन समस्याओं पर क्या कार्रवाई हुई और उसके परिणाम क्या रहे। यहां राहुल गांधी और कांग्रेस की भूमिका की परीक्षा भी होती है। यदि शिक्षा, भ्रष्टाचार, जातिगत भेदभाव और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से सामने आ रही हैं, तो विपक्ष को यह बताना होगा कि इनके समाधान के लिए उसके पास कौन-सी नीतियां और कार्यक्रम हैं। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, सरकारी अस्पतालों की स्थिति बेहतर बनाने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और सामाजिक भेदभाव दूर करने के लिए केवल आलोचना पर्याप्त नहीं है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए व्यावहारिक योजनाएं, स्पष्ट प्राथमिकताएं और जवाबदेही की व्यवस्था भी जरूरी है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना नहीं, बल्कि जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। संसद में मुद्दे उठाने, सरकार से जवाब मांगने और जनआंदोलनों के साथ खड़े होने के साथ-साथ विपक्ष को यह भी दिखाना चाहिए कि सत्ता में आने पर वह इन समस्याओं का समाधान किस तरह करेगा। इसके लिए उसे अपने राजनीतिक वादों और जमीनी कामकाज के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित करना होगा। राहुल गांधी की यह पहल तभी सार्थक साबित होगी, जब लोगों की कहानियां राजनीतिक प्रचार का साधन बनने के बजाय नीतिगत बदलाव का आधार बनें। संघर्षरत नागरिकों को केवल अपनी पीड़ा साझा करने का अवसर नहीं, बल्कि न्याय और समाधान पाने का रास्ता भी मिलना चाहिए। जनता का भरोसा भाषणों और घोषणाओं से अधिक ठोस परिणामों से बनता है। इसलिए इस पहल की वास्तविक सफलता इस बात से तय होगी कि यह कितनी समस्याओं को सरकारी जवाबदेही, प्रभावी कार्रवाई और स्थायी समाधान तक पहुंचा पाती है।

मायावती का यू-टर्न: आकाश आनंद फिर बने BSP के राष्ट्रीय संयोजक, यूपी चुनाव से पहले संगठन में नई जिम्मेदारी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (BSP) की प्रमुख मायावती ने एक बार फिर अपना फैसला बदलते हुए कहा है कि उनके भतीजे आकाश आनंद को फिर से पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। यह फैसला तब आया है, जब कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी में संगठनात्मक बदलाव के तहत आकाश को पार्टी के अहम पद से हटा दिया गया था। माइक्रोब्ल गिंग साइट X (पहले ट्विटर) पर हिंदी में किए गए एक लंबे पोस्ट में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आकाश का व्यवहार और व्यक्तित्व काफी हद तक संतोषजनक रहा है, लेकिन कुछ ऐसे कारण थे जिनकी वजह से पार्टी में कुछ संगठनात्मक बदलाव करने पड़े और अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से रिटायर होना पड़ा। मायावती ने लिखा कि जैसाकि सर्वविदित है कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर व उनके परम अनुयायी मान्यवर श्री कांशीराम जी की देश भर में बहुजन-हित हेतु जबरदस्त त्याग-तपस्या, आजीवन कड़ा संघर्ष व उनके उच्च आदर्श हमेशा ही प्रेरणा के स्रोत रहे हैं, जिस पर चलकर ही बी.एस.पी. ने देश की राजनीति में अभूतपूर्व सफलताएँ अर्जित की हैं और अब खासकर आगामी यूपी विधानसभा आमचुनाव को लेकर सर्वसमाज के साथ उत्साहपूर्ण जबरदस्त तैयारी भी की जा रही है। यहाँ यह भी कहना है कि मेरा निजी नहीं बल्कि पूरा 'बहुजन समाज' ही मेरा विराट परिवार है और उनका हित व कल्याण मेरे लिये सर्वोपरि है और हमेशा ही रहेगा।



तो आकाश आनंद का व्यक्तित्व पार्टी में काफी हद तक ठीक ही रहा है, लेकिन इनको लेकर पिछले दिनों कुछ ऐसे कारण भी रहें हैं जिसकी वजह से पार्टी संगठन में कई बार कुछ जरूरी परिवर्तन भी करने पड़े हैं और फिर अन्ततः आकाश आनन्द के ससुर अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने के लिए मजबूर भी होना पड़ा है। जिसके बाद से आकाश आनन्द के व्यक्तित्व व कार्यशैली आदि में काफी कुछ बदलाव भी लोग देख रहे हैं, जिसका खास प्रमाण पार्टी में वापिसी हेतु अभी हाल ही में सोशल मीडिया 'एक्स' पर किया गया उनका एक पोस्ट भी है, जिसकी काफी चर्चा भी है। उन्होंने कहा कि इसको लेकर पार्टी के अधिकांश: लोगों का यही कहना है कि आकाश आनन्द के अनुरोध को स्वीकार करते हुये उनकी पूर्व की दी गई जिम्मेदारियों के साथ इनको पार्टी में पुनः कार्य करने का मौका दिया जाये, जिसके

लिए इनके पिता के साथ-साथ इनके छोटे भाई ईशान आनन्द ने भी अपनी सहमति जताई है। वास्तव में श्री ईशान आनन्द ने तो अपनी मिशनरी भावना प्रदर्शित करते हुये यह भी कहा है कि वे बिना किसी पद के ही पार्टी में मा. बहनजी के दिशा-निर्देशन में जो भी उनको कार्य सौंपे जायेंगे तो उसे वे अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से जरूर निभायेंगे। मायावती ने कहा कि ऐसे में अब पार्टी काफी सोच-विचार करने के बाद पार्टी व मूवमेन्ट के हित में श्री आकाश आनन्द को पुनः बी.एस.पी. का राष्ट्रीय संयोजक (नेशनल कन्वener) बनाकर इनको फिर से पार्टी में कार्य करने का मौक़ा दे रही है। उम्मीद है कि श्री अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद से अब पार्टी में सब कुछ ठीक व सुचारु ढंग से चलेगा और पार्टी संगठन में भी बार-बार परिवर्तन नहीं करना पड़ेगा, हालांकि यह काफी कुछ आकाश आनन्द के ऊपर भी निर्भर करेगा। इन्ही कुछ जरूरी बातों के साथ ही अब मैं पार्टी व मूवमेन्ट के हित में आज लिये गये इस फैसले के साथ ही आकाश आनन्द के राजनैतिक उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ही इनको (श्री आकाश आनन्द) व इनके छोटे भाई श्री ईशान आनन्द को तथा इनके पिता श्री आनन्द कुमार को भी अपना बहुत-बहुत प्यार व आशीर्वाद देती हूँ। इतना ही नहीं बल्कि पिछले दिनों हर परिस्थिति में मेरा साथ निभाने के लिए खासकर 'बहुजन समाज' के सभी लोगों का व अपने सभी शुभचिन्तकों आदि का भी मैं पूरे तहेदिल से व सम्मान के साथ उनका आभार भी प्रकट करती हूँ।

‘जंगली जानवरों से फसल बर्बाद, सुहेली नदी में सिल्ट से किसान परेशान।’

लखीमपुर खीरी/पलिया कलां। पलिया कलां क्षेत्र में जंगली जानवरों द्वारा किसानों की फसलों को लगातार नुकसान पहुंचाए जाने और सुहेली नदी में भारी मात्रा में सिल्ट जमा होने की समस्या को लेकर किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्या ने वन विभाग के उच्चाधिकारियों को पत्र सौंपा है। उन्होंने दोनों समस्याओं का स्थलीय निरीक्षण कराकर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्या ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), उत्तर प्रदेश, लखनऊ अनुराधा वेमुरी को पत्र देकर पलिया क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों की

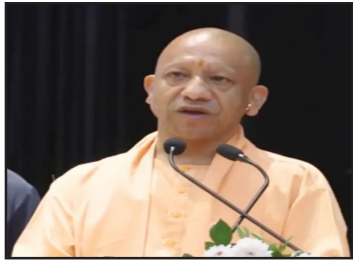
समस्याओं से अवगत कराया। पत्र में बताया गया कि क्षेत्र में जंगली जानवरों के कारण किसानों की खड़ी फसलों को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। इससे किसानों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। किसानों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए वन विभाग से प्रभावी और स्थायी व्यवस्था किए जाने की मांग की गई है। वहीं, सुहेली नदी में जमा सिल्ट की समस्या को भी गंभीरता से उठाया गया है। नदी में लंबे समय से सिल्ट जमा होने के कारण जल निकासी प्रभावित होने की आशंका है, जिससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र के माध्यम से नदी का स्थलीय

निरीक्षण कराकर आवश्यक कार्रवाई करने तथा सिल्ट की सफाई कराने का अनुरोध किया गया है। बृज मौर्या ने कहा कि किसानों और ग्रामीणों से जुड़ी समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से दोनों मामलों में जल्द कार्रवाई कर क्षेत्रवासियों को राहत दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्र की प्रौद्योगिक जल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना भी जरूरी है। समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसानों और ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

शिक्षामित्रों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा, बड़े मानदेय के लिए ४६०.२३ करोड़ जारी

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश के करीब १.२८ लाख शिक्षामित्रों को बड़ी राहत देते हुए बड़े हुए मानदेय की धनराशि जारी कर दी है। समग्र शिक्षा के तहत शैक्षिक सत्र २०२६-२७ में कार्यरत १,२७,८४१ शिक्षामित्रों के सितंबर और अक्टूबर के मानदेय के लिए ४६०.२३ करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। अब शिक्षामित्रों को १० हजार रुपये के बजाय १८ हजार प्रतिमाह की बढ़ी दर से मानदेय मिलेगा। सितंबर के लिए २३०.११ करोड़ और अक्टूबर के लिए भी २३०.११ करोड़ का प्रावधान किया गया है। संबंधित जनपदों को आवंटित धनराशि के अनुसार मानदेय भुगतान की कार्यवाही

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। योगी सरकार ने शिक्षामित्रों के मानदेय में ८ हजार प्रतिमाह की वृद्धि की है। इससे मासिक



मानदेय १० हजार से बढ़कर १८ हजार हो गया है। यानी मानदेय में ८० फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ी दर से भुगतान होने से शिक्षामित्रों को प्रतिमाह अतिरिक्त आर्थिक संबल मिलेगा। शासन की ओर से दोनों महीनों के मानदेय

के लिए जनपदवार धनराशि निर्धारित की गई है। संबंधित अधिकारियों को आवंटित बजट के अनुरूप भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का कहना है कि मानदेय में वृद्धि से शिक्षामित्रों को आर्थिक राहत मिलने के साथ वे विद्यालयों में अपने दायित्वों का और प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा संदीप सिंह ने कहा “शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि कर सरकार ने उनके आर्थिक हितों को मजबूती दी है। सितंबर और अक्टूबर के लिए ४६०.२३ करोड़ जारी होना शिक्षामित्रों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।”

UPITS के बाद देशभर में गूजेगा यूपी का स्वाद, भारत मंडपम में ‘एक जनपद एक व्यंजन’ की राष्ट्रीय उड़ान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) में आकर्षण का केंद्र बनने के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार की महत्वपूर्ण पहल ‘एक जनपद एक व्यंजन’ (ODOC) अब राष्ट्रीय मंच पर दस्तक देने जा रही है। पहली बार नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले ४५वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

उत्पादों, पारंपरिक व्यंजनों और समृद्ध पाक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में ओडीओसी को मिले मंच के बाद आईआईटीएफ जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व्यापार मेले में इसकी पहली प्रस्तुति इस पहल के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे उत्तर प्रदेश की स्थानीय

ओडीओसी स्थानीय स्वाद और पाक परंपराओं को भी इसी व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण से जोड़ रहा है। आईआईटीएफ में ओडीओसी के स्टॉल के जरिये प्रदेश की इस पाक विविधता को एक व्यवस्थित मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले आगंतुकों, व्यापारियों, निवेशकों और संभावित खरीदारों को उत्तर प्रदेश के स्थानीय व्यंजनों और उनसे जुड़े उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। आईआईटीएफ में ओडीओपी और ओडीओसी की संयुक्त मौजूदगी से उत्तर प्रदेश के उत्पाद और स्वाद, दोनों को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, खाद्य कारोबारियों और संबंधित क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए नए बाजार और व्यापारिक संभावनाएं विकसित होने की उम्मीद है। व्यापार मेला देश के प्रमुख व्यापारिक आयोजनों में शामिल है। ऐसे मंच पर ओडीओसी की पहली भागीदारी उत्तर प्रदेश के स्थानीय व्यंजनों और उनसे जुड़े उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगी। इसके जरिये प्रदेश की पारंपरिक पाक विरासत को केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित रखने के बजाय उसे ब्रांड, बाजार और आर्थिक अवसर से जोड़ने की दिशा में प्रयास किया जाएगा।



(IITF)—२०२६ में ODOC का स्टॉल लगाया जाएगा। मेला १४ से २७ नवंबर २०२६ तक चलेगा। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार, नयी दिल्ली के भारत मंडपम में १४ से २७ नवंबर, २०२६ तक आयोजित होने वाले ४५वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)—२०२६ में पहली बार ओडीओसी का स्टॉल लगाया जाएगा। यहां ‘एक जनपद, एक उत्पाद’ (ओडीओपी) के साथ ओडीओसी के जरिये उत्तर प्रदेश के स्थानीय

पाक परंपराओं को व्यापार, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ने का अवसर मिलेगा। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों की अपनी अपनी विशिष्ट पहचान और पारंपरिक व्यंजन हैं। ओडीओसी की अवधारणा इन्हीं स्थानीय व्यंजनों को वैश्विक पहचान, ब्रांडिंग और बाजार उपलब्ध कराने की सोच पर आधारित है। अब तक जहां ओडीओपी के माध्यम से जिलों के विशिष्ट उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने पर जोर दिया गया है, वहीं

बेसमेंट के पानी में डूबने से 3 साल की बच्ची की मौत

लखनऊ। महिंगवा थाना क्षेत्र के बांकेनगर में एक और दिल दहला देने वाली वारदात हुई। किराए के घर में रह रहे मजदूर परिवार की ३ साल की मासूम बेटी नंदनी मंगलवार सुबह घर के नीचे बने बेसमेंट के पास खेल रही थी। अचानक पैर फिसलने से वह

बेसमेंट में गिर गई, जिसमें बरसात का पानी भरा हुआ था। जब तक परिजनों को पता चला और उन्होंने बाहर निकाला, तब तक बच्ची की सांसें थम चुकी थीं। नंदनी के पिता देवभान यादव मूल रूप से सीतापुर के रहने वाले हैं और बांकेनगर में

राकेश पांडेय के मकान में किराए पर रहकर मजदूरी करते हैं। प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम मौर्या ने बताया कि हादसे के बाद परिजन बिना किसी लिखित शिकायत के बच्ची का शव लेकर अपने पैतृक गांव सीतापुर चले गए।

बाढ़ के पानी में बहे ८ लोग, १८ साल के विमल और ढाई साल के बच्चे की डूबने से हुई मौत

लखनऊ। राजधानी के बीकेटी (बख्शी का तालाब) इलाके के लासा गांव में मंगलवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। बाढ़ से घिरे गांव में शौच के लिए निकले आठ लोग पानी के तेज बहाव में बह गए। इनमें से सात लोगों ने तो जैसे-तैसे तैरकर अपनी जान बचा ली, लेकिन १८ साल का विमल तेज धार में बहकर गहरे तालाब में चला गया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव तालाब के किनारे नाले से बरामद किया गया। लासा गांव के रहने वाले षष्ण कुमार का बेटा विमल मंगलवार सुबह अपने बड़े भाई अनूप और गांव के ही हिमांशु, रामहरख, रविंद्र, रोशन, अनुराग व सूरज के साथ शौच के लिए निकला था। गांव वालों के मुताबिक पूरे इलाके में बाढ़ का पानी भरा है और गांव में कोई नाव भी नहीं थी। मजबूरी में सभी लोग पैदल ही सड़क से गुजर रहे थे। लासा मंदिर के पास सड़क पानी में पूरी तरह डूबी हुई थी। इसे पार करते वक्त अचानक पानी का बहाव तेज हुआ और आठों लोग बहने लगे। सात लोग तो किसी तरह किनारे लग गए, लेकिन विमल गहरे पानी

में समा गया। हादसे की खबर मिलते ही NDRF और PAC की टीम नाव लेकर मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। काफी देर तक कुछ पता न चलने पर स्थानीय ग्रामीण रामकुमार और अन्य लोगों ने अपनी नाव से तालाब में जाल और कांटा डालकर खोजना शुरू किया। घटना के करीब तीन घंटे बाद विमल का शव तालाब के पास बने नाले में फंसा दिखाई दिया, जिसे बाहर निकाला गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने गांव में नाव का कोई इंतजाम न होने का आरोप लगाते हुए इटौंजा-माल मार्ग पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर SDM बीकेटी आकाश कुमार, तहसीलदार शरद सिंह और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शुरुआत में परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से साफ मना कर दिया। उनकी मांग थी कि मृतक के बड़े भाई को नौकरी और परिवार को आर्थिक मदद दी जाए। इसके बाद तहसीलदार शरद सिंह ने परिजनों को रोजगार दिलाने का लिखित आश्वासन दिया, तब जाकर परिवार वाले शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने पर सहमत हुए।

MLC नामांकन के दौरान लखनऊ में टूटा भाजपा नेताओं का मंच, मची अफरा-तफरी, कई नेता चोटिल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के नामांकन के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन जुलूस के दौरान राजधानी के परिवर्तन चौक पर बड़ा हादसा हो गया। प्रत्याशियों के स्वागत के लिए बनाया गया मंच अचानक भरभराकर

रहा था। परिवर्तन चौक पर भी बाराबंकी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत के लिए मंच सजाया था। इसी दौरान मंच पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए और अचानक मंच टूट गया। मंच गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई।



टूट गया। मंच पर मौजूद बाराबंकी के भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा भुल्लन, अवधेश श्रीवास्तव, प्रमोद तिवारी, दरियाबाद ब्ल क प्रमुख समेत कई नेता नीचे गिर गए। हादसे में कुछ नेताओं को हल्की चोटें आईं। वहीं मंच टूटने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। भाजपा के शिक्षक खंड प्रत्याशी उमेश द्विवेदी और स्नातक खंड प्रत्याशी अवनीश सिंह पटेल नामांकन के लिए प्रदेश मुख्यालय से जुलूस के साथ निकले थे। जुलूस मार्ग पर जगह-जगह बनाए गए मंचों से पुष्पवर्षा कर प्रत्याशियों का स्वागत किया जा

कार्यकर्ताओं ने तत्काल मंच पर गिरे नेताओं को बाहर निकाला। इस दौरान उमेश द्विवेदी और अवनीश सिंह पटेल के साथ प्रदेश सरकार के कई मंत्री, विधायक और अन्य नेता जुलूस वाहन पर मौजूद थे। खास बात यह है कि कुछ दिन पहले बाराबंकी में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के कार्यक्रम के दौरान भी मंच टूट गया था, जिसमें कई नेता चोटिल हुए थे और अफरा-तफरी मची थी। अब लखनऊ में एमएलसी नामांकन के दौरान दोबारा मंच टूटने की घटना ने आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

छोटे कारोबारों को मिलेगी बड़ी उड़ान! मोदी कैबिनेट ने मंजूर किया १०,००० करोड़ का SME ग्रोथ फंड

नई दिल्ली। देश के छोटे और मध्यम उद्यमों (SME) के लिए मंगलवार को बड़ी खुशखबरी सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने १०,००० करोड़ के (SME) ग्रोथ फंड (SGF) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। सरकार की इस पहल का मकसद ऐसे भारतीय कारोबारों को विकास के लिए जरूरी पूंजी उपलब्ध कराना है, जो अपने कारोबार का विस्तार कर ग्लोबल स्तर पर पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं। यह फंड मैनुफैक्चरिंग, सर्विस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन आधारित सेक्टर और रणनीतिक वैल्यू चेन में काम करने वाले बेहतर प्रदर्शन करने वाले भारतीय उद्यमों के विस्तार में मदद करेगा। SME भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। ये रोजगार, एक्सपोर्ट, मैनुफैक्चरिंग आउटपुट और इनोवेशन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ऐसे में सरकार का १०,००० करोड़ का यह फंड कारोबारों को आगे बढ़ाने के लिए नई ताकत देने वाला कदम माना जा रहा है।

केंद्रीय बजट २०२६-२७ में पूरे MSME इकोसिस्टम के लिए इक्विटी, लिक्विडिटी और प्रोफेशनल सपोर्ट बढ़ाने से जुड़ी व्यापक घोषणाएं की गई थीं। SME ग्रोथ फंड इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार के मुताबिक, देश में पहले से कई



ऐसे फंड हैं जो इक्विटी सपोर्ट उपलब्ध कराते हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर शुरुआती चरण के कारोबारों और मुख्य रूप से बहुत छोटे उद्यमों पर केंद्रित हैं। ऐसे में छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए इक्विटी ग्रोथ कैपिटल के क्षेत्र में एक कमी बनी हुई थी। नई व्यवस्था इसी गैप को दूर करने पर केंद्रित है। ऐसे SME, जिनका बिजनेस सफल साबित हो चुका है और जिनमें आगे तेजी से बढ़ने की

क्षमता है, उन्हें 'पेशेंट ग्रोथ इक्विटी कैपिटल' उपलब्ध कराया जाएगा। इस फंड के जरिए उन कंपनियों को लंबे समय के रिस्क कैपिटल का सहारा मिल सकेगा, जो अपने कारोबार का दायरा बढ़ाना, इनोवेशन करना, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार करना, नई तकनीक अपनाना या दूसरी कंपनियों का अधिग्रहण करना चाहती हैं। सरकार का लक्ष्य ऐसी कंपनियों को मजबूत करना है जो आगे चलकर अपने-अपने उद्योग में लीडर बन सकें और वैश्विक स्तर पर भारतीय कारोबारों की ताकत बढ़ा सकें। कैबिनेट के बयान के मुताबिक, SME ग्रोथ फंड की मंजूरी 'विकसित भारत २०४७' के विजन को साकार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पहल से देश के एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को मजबूत करने, ग्रोथ-स्टेज कंपनियों के लिए घरेलू कैपिटल मार्केट को बेहतर बनाने और ग्लोबल स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम भारतीय कंपनियों की नई पीढ़ी तैयार करने पर जोर दिया जाएगा।

राहुल गांधी मानहानि मामले में परिवारी की बहस पूरी, कल आएगी बचाव पक्ष की दलील

सुलतानपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मानहानि मामले में मंगलवार को अंतिम बहस हुई। परिवारी की ओर से अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अपनी बहस पूरी कर ली। वहीं राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने भी बहस शुरू की, लेकिन समयाभाव के कारण पूरी नहीं हो सकी। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने शेष बहस के लिए सात अक्टूबर की तारीख नियत की है। मामला कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी पूर्व कोअपरेटिव चैयरमैन एवं भाजपा नेता विजय मिश्र की ओर से वर्ष २०१८ में दाखिल मानहानि परिवाद से जुड़ा है। आरोप है कि राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

साक्ष्य की कार्यवाही पूरी होने के बाद मामला अंतिम बहस के चरण में पहुंचा है। परिवारी की ओर से राहुल गांधी की आवाज की जांच एवं मिलान विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराने की मांग संबंधी प्रार्थना पत्र अदालत ने दो



मई को खारिज कर दिया था। इसके बाद अंतिम बहस शुरू हुई। सेशन कोर्ट में दाखिल निगरानी याचिका भी खारिज हो चुकी है। राहुल गांधी पूर्व में अदालत में उपस्थित होकर जमानत प्राप्त कर चुके हैं तथा उनके बयान की कार्यवाही भी पूरी हो चुकी है। अब सात अक्टूबर को राहुल गांधी की ओर से शेष अंतिम बहस होगी।

परीक्षा केंद्रों पर खिंचेगी बर्डर लाइन, नकल माफियाओं पर कसेगा शिकंजा

अयोध्या। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने बोर्ड परीक्षा २०२७ को लेकर सख्त व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया है। अब परीक्षा केंद्रों पर बर्डर लाइन खींची जाएगी और एक जोन में आने वाले परीक्षा केंद्रों की सीमा तय की जाएगी। परिषद ने जिला विद्यालयों को बर्डर चिह्नित करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। यह कदम मुख्य रूप से परीक्षा में होने वाली नकल तथा माफिया की गतिविधियों को रोकने के लिए उठाया गया है। परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के साथ ही संबंधित अधिकारियों को गूगल मैप का पूरा ब्योरा भी देना होगा। इससे परीक्षा केंद्रों की भौगोलिक स्थिति

स्पष्ट हो सकेगी और एक जोन में केंद्रों की संख्या तथा दूरी नियंत्रित की जा सकेगी। बर्डर लाइन के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी केंद्र निर्धारित सीमा से बाहर न हो और परीक्षा संचालन व्यवस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक ड. पवन कुमार तिवारी ने कहा कि यह प्रयास बोर्ड परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाने और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने बताया विद्यालय प्रबंधन को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना होगा, ताकि परीक्षा २०२७ सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

रामपुर के गौ तस्कर को बिलग्राम पुलिस ने दबोचा, गैंगस्टर समेत १० केस दर्ज

हरदोई। बिलग्राम पुलिस ने रामपुर जिले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ साण्डी थाने में गिरोहबंद एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा रामपुर जिले के कई थानों में उसके खिलाफ गैंगस्टर, गोवध और आर्म्स एक्ट के मामले भी दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, एसएचओ साण्डी की तहरीर पर रामपुर जिले के चमरौआ थाना क्षेत्र के शहजादनगर निवासी मुकर्रम पुत्र पुत्तन के खिलाफ गिरोहबंद एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। मंगलवार को बिलग्राम पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए मुकर्रम को गिरफ्तार कर

लिया। पुलिस अब आरोपी से जुड़ी अन्य जानकारियां और उसके आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक मुकर्रम के खिलाफ साण्डी थाने के अलावा



रामपुर जिले के कैमरी, भोंट, शाहाबाद और शहजादनगर थानों में भी मुकदमे दर्ज हैं। इनमें गैंगस्टर एक्ट, गोवध और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। पुलिस रिकॉर्ड में उसके खिलाफ कुल १० मुकदमों का उल्लेख है।

रामविलास पासवान की पुण्यतिथि में चिराग ने योगी, मायावती और अखिलेश को दिया न्योता

लखनऊ। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक, पद्म भूषण स्व रामविलास पासवान की ६वीं पुण्यतिथि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पहली बार आयोजित की जा रही है। ८ अक्टूबर को सुल्तानपुर रोड स्थित दयाल बाग इको रिसर्ट में पूर्वाह्न ११:३० बजे होने वाली इस भव्य श्रद्धांजलि सभा को लेकर यूपी की सियासत में भारी हलचल है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस बड़े राजनीतिक समागम के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती एवं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव सहित प्रदेश के लगभग सभी प्रमुख दलों के विधायकों व नेताओं को विशेष न्योता भेजा है। यह पहला मौका है जब लोजपा (रामविलास) बिहार से बाहर उत्तर प्रदेश की धरती पर अपने संस्थापक का पुण्यतिथि कार्यक्रम इतने बड़े पैमाने पर आयोजित कर रही है। राजनीतिक गलियारों में इस ऐतिहासिक कदम को विशुद्ध

रूप से २०२७ के यूपी विधानसभा चुनाव के शंखनाद के तौर पर देखा जा रहा है। चिराग पासवान पहले ही एलान कर चुके हैं कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश के चुनावी समर में



उत्तरने के लिए संगठन का व्यापक विस्तार कर रही है। ऐसे में लखनऊ में सत्तापक्ष और विपक्ष के तमाम सूरमाओं को एक मंच पर आमंत्रित कर चिराग ने राज्य के सियासी समीकरणों को गर्मा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चिराग पासवान का यह श्लखनऊ प्लान उत्तर प्रदेश में दलित मतदाताओं के गठजोड़ को साधने की कोशिश में जुटी है। लोकसभा चुनाव २०२४ में समाजवादी पार्टी ने जिस पासी वोट बैंक के

मजबूत सहारे अयोध्या (फैजाबाद) समेत पूर्वांचल में ऐतिहासिक बढ़त बनाई थी, चिराग पासवान की नजर अब उसी दलित और पासी वर्ग पर है। चूंकि पूर्वांचल और अवध के कई जनपदों में पासीबिरादरी की अच्छी-खासी आबादी है, इसलिए स्वर्गीय रामविलास पासवान की विरासत के सहारे लोजपा (आर) यूपी के दलितों में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। लोजपा (आर) के प्रदेश स्तर के नेताओं का दावा है कि केंद्र में भले ही उनका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ एनडीए गठबंधन है, लेकिन राज्य में संगठन को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वे सभी ४०३ विधानसभा सीटों पर जमीनी तैयारी कर रहे हैं। ८ अक्टूबर को लखनऊ में होने वाला यह जुटान न सिर्फ रामविलास पासवान के पुराने राजनीतिक रिश्तों को पुनर्जीवित करने का माध्यम बनेगा, बल्कि २०२७ के चुनावी चक्रव्यूह में नए समीकरणों को भी जन्म देगा।

एंबुलेंस के खिलाफ कार्रवाई, छह चालान और चार एंबुलेंस सीज

लखीमपुर खीरी। एआरटीओ शांति भूषण पांडे एवं प्रवर्तन अधिकारी डक्टर कौशलेंद्र सिंह के नेतृत्व में एंबुलेंस के खिलाफ चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान परिवहन विभाग ने कार्रवाई की। अभियान के अंतर्गत छह एंबुलेंस के चालान किए गए तथा चार एंबुलेंस को विभिन्न

थानों पर बंद किया गया। इस अभियान का उद्देश्य एंबुलेंस के संचालन में नियमों का पालन सुनिश्चित करना और एंबुलेंस वाहनों के प्रपत्र एवं फिटनेस आदि पूर्ण करना एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना है। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से नियमों का

उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों में हड़कंप मच गया। एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने वाहन संचालकों से अपील की कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे रखें और निर्धारित नियमों का पालन करें, ताकि मरीजों को सुरक्षित एवं बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके।

अयोध्या दीपोत्सव में ३२ लाख दीये होंगे रोशन, ५५ हजार लीटर तेल और ६५ लाख बातियों की तैयारी

अयोध्या। दीपों की रोशनी से अयोध्या को जगमग करने वाले दीपोत्सव—२०२६ की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार आयोजन के लिए ३२ लाख दीयों, ५५ हजार लीटर सरसों के तेल, ६५ लाख बातियों और १५० किलो कपूर की व्यवस्था की जा रही है। सामग्री की आपूर्ति अयोध्याजी तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद की ओर से कराई जा रही है। दीपोत्सव में ३० लाख दीये जलाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि जरूरत को देखते हुए ३२ लाख दीयों की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। सरयू तट के ५५ प्रमुख घाटों पर स्वयंसेवकों की मदद से दीप सजाए जाएंगे। तीर्थ विकास परिषद के सीईओ जयेंद्र कुमार ने बताया कि दीपोत्सव में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के टेंडर खुल चुके हैं और फिलहाल उनकी वित्तीय समीक्षा की जा रही है। टेंडर हासिल करने वाला वेंडर सामग्री की आपूर्ति अवध यूनिवर्सिटी को करेगा। उन्होंने बताया कि दीये तैयार करने वाले स्थानीय कुम्हारों और

वेंडरों की बैठक कर दोनों के बीच समन्वय कराया जाएगा। इसका उद्देश्य स्थानीय कुम्हारों को अधिक से अधिक अर्डर दिलाना है। साथ ही प्राथमिकता के आधार पर उनसे ही दीयों की आपूर्ति लेने की व्यवस्था की जाएगी। दीपोत्सव में दीप सजाने के लिए



बड़ी संख्या में छात्र—छात्राओं को स्वयंसेवक के तौर पर जोड़ा जा रहा है। ३४ हजार वॉलंटियर छात्र—छात्राओं के लिए टी—शर्ट और मोमबत्ती की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा ३४ हजार लोगों के लिए भोजन का भी इंतजाम होगा। सरयू तट के ५५ घाटों पर दीप सजाने वाले वॉलंटियर के भोजन की जिम्मेदारी तीर्थ विकास परिषद संभालेगा।

दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी, कमिश्नर, अवध विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ प्रदेश स्तर पर पर्यटन और संस्कृति विभाग लगातार बैठकें कर रहे हैं। सरयू तट के ५५ घाटों का निरीक्षण भी किया गया है। जिलाधिकारी, सीडीओ, नगर आयुक्त, एडीएम नगर और नोडल अधिकारी प्रो. एसएस मिश्र ने राम की पैड़ी समेत कई घाटों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के लिए संबंधित विभागों को समय से व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। घाटों पर साफ—सफाई, पेयजल और बिजली आपूर्ति को बेहतर करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नोडल अधिकारी के मुताबिक, दीपोत्सव के दौरान ५५ प्रमुख घाटों पर ३५ हजार स्वयंसेवक दीप सजाएंगे। दीपों की सजावट और अलग—अलग पैटर्न तैयार करने का काम तीन नवंबर से शुरू होगा। इसके बाद सात नवंबर को दीप जलाए जाएंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में हॉस्टल के खाने पर छात्रों का फूटा गुस्सा, कुलपति को सौंपा ज्ञापन... उठाई मेस जांच की मांग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने अपनी नाराजगी दर्ज कराई है। समाजवादी छात्रसभा से जुड़े छात्रों ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर सभी ह स्टल मेस का तत्काल निरीक्षण कराने और भोजन की गुणवत्ता व स्वच्छता की जांच कराने की मांग की। छात्रों का कहना है कि छात्रावासों के मेस में लंबे समय से खराब एवं गुणवत्ताहीन भोजन मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उनका कहना है कि इस तरह के भोजन से छात्रों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। छात्रों ने मांग की कि विश्वविद्यालय प्रशासन सभी छात्रावासों के मेस की जांच कराकर भोजन को

निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करे। छात्रनेता आदित्य पाण्डेय ने कहा कि ह स्टल में रहने वाले छात्रों से मेस के भोजन के लिए शुल्क लिया जाता है। ऐसे में उन्हें खराब या गुणवत्ताहीन भोजन मिलना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रहित में सभी मेस का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि किसी तरह की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। छात्रों के स्वास्थ्य और उनके अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। छात्रों की ओर से दिए गए ज्ञापन में मेस के भोजन की तत्काल गुणवत्ता जांच, भोजन की स्वच्छता और

गुणवत्ता सुनिश्चित करने, छात्रों की शिकायतों के लिए नियमित निरीक्षण और प्रभावी शिकायत व्यवस्था बनाने की मांग की गई है। इसके साथ ही दोषी पाए जाने वाले मेस संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग भी रखी गई। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से कहा कि छात्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मामले में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुसार स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके। ज्ञापन देने वालों में छात्रनेता रोहित यादव, आदित्य पाण्डेय, प्रदेश सचिव अक्षय वर्मा, रवि नन्दन यादव, अक्षय पाण्डेय, अंकित पाण्डेय, वैभव यादव और आर्यन कुशवाहा समेत अन्य छात्र मौजूद रहे।

जंगली सुअरों से किसानों को राहत दिलाने के लिए विधायक ने लिखा अधिकारियों को पत्र



शीघ्र एवं अतिशीघ्र करने के लिए अनुमति देने का कष्ट करें

लखीमपुर खीरी। 'जंगली सुअरों से परेशान किसानों को राहत दिलाने के लिए विधायक रोमी साहनी ने जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी से बात की एवं डी०एफ०ओ० न र्थ कीर्ति चौधरी से बात की और लिखा पत्र' 'रोमी साहनी विधायक ने कहा कि हर हाल में किसानों की फसलों को बचाने के लिए २०१३ में जो आदेश सुअरों को शूट आउट करने का आदेश हुआ था, उसी के अनुरूप सुअरों को शूट आउट करने का आदेश जारी करें, मैं किसान भाइयों की फसलों को बर्बाद होते नहीं देख सकता, हमारे किसान भाई धरने पर बैठे हुए हैं और बहुत परेशान हैं, इसलिए यह कार्य

खेत में अचानक दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में मची भगदड़.... वीडियो वायरल, वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र में गोमती नदी किनारे स्थित शरीफाबाद जंगल में करीब दो महीने से डेरा जमाए तेंदुआ की हलचल एक बार फिर सामने आई है। खोहली गांव के पास खेतों में ग्रामीणों ने तेंदुआ को घूमते देखा। ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। इस दौरान कुछ युवकों ने दूर से उसका वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वन विभाग ने तेंदुआ की मौजूदगी की पुष्टि करते हुए निगरानी बढ़ा दी है। बताया गया कि अगस्त के पहले सप्ताह में शरीफाबाद जंगल में पहली बार तेंदुआ दिखाई दिया था। इसके बाद तीन—चार दिन के अंतराल पर बंदर, वनरोज और हिरन के शिकार की सूचनाएं सामने आती रहीं। वन विभाग की टीम ने पैदल गश्त के साथ पिंजड़े में बकरी बांधाकर तेंदुआ को पकड़ने का प्रयास किया। ड्रोन कैमरे से भी जंगल में तलाश की गई, लेकिन घनी झाड़ियों के कारण तेंदुआ नजर नहीं आया। तीन दिन पहले तेंदुआ ने जंगल में वनरोज के बच्चे को दौड़ाकर मार दिया था। इसके बाद वन विभाग ने जंगल के बाहर अलग—अलग स्थानों पर तीन नाइट विजन कैमरे लगाए हैं।

मंगलवार को खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों की नजर जंगल से बाहर घूम रहे तेंदुआ पर पड़ी। लोगों के शोर मचाने पर वह भागने लगा। इसी दौरान शरीफाबाद निवासी एक ग्रामीण के खेत से होकर दौड़ते तेंदुआ का वीडियो बना लिया गया। वनदरोगा अनुज की अगुवाई में वन विभाग की टीम जंगल के आसपास लगातार निगरानी कर रही है। ग्रामीणों ने तेंदुआ को सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल में छोड़ने की मांग की है। वन विभाग ने आसपास के गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है और अकेले जंगल या खेतों की ओर न जाने की अपील की है। डीएफओ आकाशदीप बधावन ने बताया कि खोहली गांव के पास तेंदुआ देखे जाने की पुष्टि हुई है। शरीफाबाद जंगल का एक छोर अयोध्या और दूसरा अमेठी जिले की सीमा से जुड़ा है, इसलिए तेंदुआ इन क्षेत्रों तक भी विचरण कर रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक तेंदुआ के हमले में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। तेंदुआ सामान्यतः जंगल में रहता है और भूख लगने पर शिकार की तलाश में बाहर आता है। ग्रामीणों को सजग करते हुए वन विभाग की टीम को निगरानी के लिए तैनात किया गया है।

४ करोड़ की सड़क ६ महीने में उखड़ी, बनवीरपुर-खखरौला मार्ग पर भ्रष्टाचार की परतें उजागर

लखीमपुर—खीरी। लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। भारत—नेपाल सीमा को जोड़ने वाले अति महत्वपूर्ण बनवीरपुर—खखरौला मार्ग पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क छह महीने भी नहीं टिक पाई। करीब ४.०२ करोड़ रुपये की लागत से बनी ५ किमी लंबी सड़क की ऊपरी परत जगह—जगह से उखड़ गई है, गिट्टियां बाहर निकल आई हैं और बड़े—बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश में इन गड्ढों में पानी भरने से राहगीरों का चलना दूभर हो गया है। उपलब्ध टेंडर रिकॉर्ड के अनुसार बनवीरपुर— इंद्रनगर— दाराबोझी—खखरौला घाट नेपाल सीमा मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदीकरण के लिए ४.०२ करोड़ रुपये का टेंडर हुआ था। टेंडर १६ जून २०२५ को अवार्ड किया गया और कार्य पूरा करने के लिए ३६५ दिन

की अवधि निर्धारित थी। अप्रैल २०२५ में ही शासन से इस मार्ग को मंजूरी मिली थी। यह मार्ग केवल गांवों को नहीं जोड़ता, यह भारत—नेपाल आवागमन, व्यापारियों, गन्ना किसानों और



सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की लाइफ लाइन है। गन्ना किसान इसी मार्ग से उपज बेलरायां चीनी मिल तक ले जाते हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और पीडब्ल्यूडी के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि सड़क की मोटार्ई, बेस, सामग्री की लैब जांच कराई जाए। यदि कमी मिलती है तो दोषी ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कर सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए।

‘रश्मिरथी के मंचन से गूँजा वाईडी कॉलेज, कर्ण के शौर्य और स्वाभिमान ने बांधा समां’

लखीमपुर खीरी। भारतीय संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रनायकों की गौरवगाथा को मंच के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की अनूठी पहल के तहत शहर के वाईडी क लेज सभागार में रविवार को

निर्देशक मानवेन्द्र कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में कलाकारों ने कर्ण के जीवन, संघर्ष, शौर्य, दानवीरता, स्वाभिमान और नियति से उसके संघर्ष को मंच पर इस तरह जीवंत किया कि पूरा सभागार भावनाओं



साहित्य और रंगमंच का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतेन्दु नाट्य अकादमी, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा तथा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के मार्गदर्शन में अखंड भारत के स्वातंत्र्य वीर नायकों पर आधारित नाट्य मंचन श्रृंखला के अंतर्गत राष्ट्रकवि रामधारी सिंह ‘दिनकर’ की कालजयी ‘रश्मिरथी’ का शानदार मंचन किया गया।

से सराबोर हो उठा। प्रभावशाली संवाद, सशक्त अभिनय, मंच सज्जा और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधे रखा। कर्ण के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को देखकर दर्शकों ने कलाकारों का तालियों से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक योगेश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता एवं डीएम अंजनी कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों को सम्मानित किया। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा

कि भारतीय इतिहास और साहित्य में ऐसे अनेक चरित्र हैं, जिनसे नई पीढ़ी को संघर्ष, कर्तव्य, त्याग, राष्ट्रप्रेम और आत्मसम्मान की प्रेरणा मिलती है। रंगमंच ऐसी प्रेरणादायी गाथाओं को समाज तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि ‘रश्मिरथी’ केवल कर्ण की कथा नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में अपने अस्तित्व और सम्मान के लिए संघर्ष करने वाले योद्धा की गाथा है। विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि साहित्य को रंगमंच के माध्यम से जीवंत कर नई पीढ़ी को भारतीय संसैति और साहित्य से जोड़ना सराहनीय प्रयास है। प्रस्तुति के दौरान कर्ण के चरित्र के आत्मसम्मान, कर्तव्य और संघर्ष को देखकर दर्शक भावुक हो उठे और कलाकारों का तालियों से उत्साहवर्धन किया। इस दौरान एडीएम (न्यायिक) ब्रजपाल सिंह, पीडी डीआरडीए सतीश कुमार पाण्डेय, प्राचार्य वाईडी कॉलेज डॉ हेमंत पाल, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, डीसी जीरामजी अमित कुमार परिहार सहित बीजेपी महामंत्री राजेश कुमार सिंह, अनुपम बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

उप्र राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को अपने आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश की राज्यसभा सीटों के लिए धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यसागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार के नामों पर मुहर लगाई है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में इन आठ नामों की घोषणा की गई। पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन में संगठनात्मक अनुभव के साथ क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों को भी साधने की कोशिश की है। भाजपा की ओर से घोषित उम्मीदवारों में धर्मपाल सिंह का नाम प्रमुख है। इसके अलावा राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यसागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 90 सीटों के लिए 96 अक्टूबर

को मतदान होना है। इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर में पूरा हो रहा है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक नामांकन की अंतिम तिथि छह अक्टूबर है। 803 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर भाजपा और उसके सहयोगी दलों की स्थिति मजबूत है। चुनाव में एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए करीब 30 विधायकों के मतों की



जरूरत है। भाजपा गठबंधन के पास आठ सीटों पर जीत की स्थिति बनाने के लिए पर्याप्त संख्या बल है, हालांकि मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में आठवीं सीट को लेकर मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने पहले ही प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी को उम्मीदवार बनाया है। सपा के पास अपने संख्या बल के आधार पर दो सीटें जीतने

की स्थिति है। हालांकि पार्टी तीसरी सीट के लिए भी प्रयास कर सकती है, जिससे चुनाव में राजनीतिक जोड़-तोड़ और क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हैं। राज्यसभा चुनाव को अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और सपा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों दलों की नजर अपने-अपने विधायकों को एकजुट रखने के साथ-साथ दूसरे खेमे में रंधे लगाने पर भी है। भाजपा ने आठ उम्मीदवार उतारकर जहां अपने मजबूत संख्या बल का संकेत दिया है, वहीं उम्मीदवारों के चयन में अलग-अलग सामाजिक और क्षेत्रीय समूहों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश भी दिखाई दे रही है। अब निगाहें नामांकन प्रक्रिया पूरी होने और सपा की आगे की रणनीति पर हैं। राज्यसभा चुनाव में यदि सभी 90 सीटों पर मुकाबला होता है तो 96 अक्टूबर को मतदान के बाद ही तस्वीर पूरी तरह साफ होगी। फिलहाल भाजपा ने अपने आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुनावी मैदान को औपचारिक रूप से सजा दिया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कल होगी हेल्दी बेबी प्रतियोगिता

लखीमपुर-खीरी। शासन के निर्देश पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फरधान में कल 7 अक्टूबर को हेल्दी बेबी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू होगा। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों में स्वास्थ्य, पोषण एवं टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं सुपोषित बच्चों को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में बच्चों के वजन, लंबाई, टीकाकरण की स्थिति और समग्र स्वास्थ्य के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। स्वस्थ पाए जाने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) तथा

मुख्य चिकित्सा अधिकारी की विशेष भूमिका रहेगी। स्वास्थ्य विभाग और आईसीडीएस विभाग के संयुक्त प्रयास से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के माध्यम से क्षेत्र के बच्चों को प्रतियोगिता में शामिल कराया जाएगा। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित बाजपेई ने बताया कि हेल्दी बेबी प्रतियोगिता का उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों के पोषण, नियमित टीकाकरण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के साथ समय से सीएचसी फरधान पहुंचकर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

पलिया मण्डी समिति ने व्यापारियों को जारी किया सख्त निर्देश

पलिया कला-खीरी। कृषि उत्पादन मण्डी समिति पलिया कला ने क्षेत्र के समस्त गल्ला व्यापारियों को कृषि उपज के स्टॉक का मण्डी अभिलेखों में अनिवार्य रूप से अंकन कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी सचिव सौरभ भारती द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि धान की आवक शुरू हो चुकी है, लेकिन कुछ व्यापारिक फर्मों द्वारा खरीदी गई कृषि उपज का पूरा स्टॉक मण्डी अभिलेखों में दर्ज नहीं कराया जा रहा है। इसके

अलावा कुछ फर्मों अपने पंजीकृत पते के बजाय अन्य स्थानों पर कारोबार करती पाई गई हैं। समिति ने व्यापारियों को तत्काल समस्त स्टॉक का अभिलेखों में अंकन कराने के निर्देश दिए हैं। क्रॉस चेकिंग के दौरान बिना अभिलेख दर्ज स्टॉक मिलने या पंजीकृत पते से बाहर अवैध कारोबार पाए जाने पर संबंधित व्यापारी के विरुद्ध सख्त-सीजर की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए व्यापारी को स्वयं जिम्मेदार बताया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा में सुनाया ब्रह्मा जी

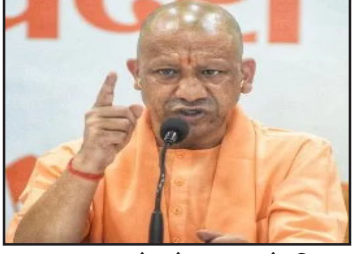
द्वारा श्रृष्टि उत्पत्ति, ध्रुव चरित्र का प्रसंग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर के मोहल्ला लक्ष्मी नगर क लोनी निवासी छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष विजय वाजपेई के आवास पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य गोविंद मिश्रजी महाराज ने ब्रह्मा जी द्वारा श्रृष्टि उत्पत्ति, ध्रुव चरित्र का प्रसंग सुनाया। श्री नैमिषरण्य धाम के स्वामी नारदानंद आश्रम के आचार्य गोविंदजी मिश्र ने श्रीमद् भागवत कथा में सोमवार को सुनाया कि भगवान विष्णु की नाभि-कमल से प्रकट होने के बाद जब ब्रह्मा जी को सृष्टि की रचना का निर्देश मिला, तो उन्होंने सबसे पहले अज्ञान और असमर्थता महसूस की। तब भगवान ने उन्हें चतुःश्लोकी भागवत का ज्ञान दिया। इस दिव्य ज्ञान और तप के बल पर ब्रह्मा जी ने सृष्टि के क्रम को आगे बढ़ाया। सृष्टि को विस्तार देने के लिए ब्रह्मा जी ने अपने शरीर के विभिन्न अंगों से मरीचि, अंगिरा, अत्रि, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु, भृगु, वशिष्ठ और दक्ष प्रजापति जैसे महान ऋषियों एवं प्रजापतियों को उत्पन्न किया। उन्होंने ध्रुव चरित्र के बारे में सुनाते हुए कहा

कि ज्ञानी व्यक्ति कड़वे वचनों को सकारात्मक दिशा में लेकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। उन्होंने भगवान श्रीहरि को पाने का संकल्प लिया और कठिन तपस्या से भगवान विष्णु को प्रसन्न किया। उनकी भक्ति से खुश होकर भगवान ने उन्हें दर्शन दिए और आशीर्वाद दिया। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि जीवन में कितनी भी कठिनाइयां आए, सत्य, भक्ति और लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहना चाहिए। कहा कि ध्रुव चरित्र सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा और संकल्प से असंभव लक्ष्य भी पाया जा सकता है। कथा समापन के बाद आरती और श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिकू, मुख्य यजमान विजय वाजपेई, नीलम बाजपेई, अभय बाजपेई, सुरेंद्र शर्मा, राजेश कश्यप, रविंद्र कटियार, लवकुश शास्त्री, संजीव दीक्षित, विमलेश मिश्रा, श्रीप्रकाश सिंह, अभिनव मिश्रा, नीता शुक्ला, शिवांगी, आरती सिंह भदोरिया, प्रियंका दीक्षित, कामिनी, गुडिया मिश्रा सहित तमाम कथाप्रेमी मौजूद रहे।

गीता प्रेस की पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित गीता प्रेस की प्रतिष्ठित पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी समारोह का आयोजन



७ अक्टूबर को गोरखपुर में किया जाएगा। सायं ४ बजे आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यह आयोजन श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार के १३४वें जयंती महोत्सव के अवसर पर किया जा रहा है। समारोह में देश के प्रख्यात विद्वान और विचारक पत्रिका 'कल्याण' की सौ वर्षों की वैचारिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा पर अपने विचार

व्यक्त करेंगे। समारोह को पूर्व सांसद प्रो. राकेश सिन्हा, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. ओमजी उपाध्याय संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि पत्रिका 'कल्याण' ने एक शताब्दी से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चिंतन और नैतिक जीवन-मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पत्रिका भारतीय ज्ञान परंपरा और सार्वे तिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम रही है। शताब्दी समारोह में इसकी ऐतिहासिक भूमिका, वैचारिक योगदान और समकालीन समाज में इसकी प्रासंगिकता पर विमर्श होगा।

नकहा ब्लॉक के बड़ा गांव में पशु अस्पताल बना शोपीश डॉक्टर नदारद, पशुपालक परेशान

नकहा/लखीमपुर खीरी। विकास खण्ड नकहा की ग्राम पंचायत बड़ा गांव में बना सरकारी पशु चिकित्सालय केवल शोपीस बनकर रह गया है। ग्रामीणों के अनुसार अस्पताल तो खुला है लेकिन

महीनों से यहां कोई पशु चिकित्सक नहीं आता है। जब आसपास के ग्रामीणों व पशुपालकों से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि अस्पताल पर ताला लटका रहता है, कभी-कभार ही खुलता है और

कोई डॉक्टर नहीं आता। पशुओं के बीमार होने पर उन्हें १०-१५ किलोमीटर दूर निजी डॉक्टरों के पास जाना पड़ता है, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद होता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व पशुपालन विभाग

के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि बड़ा गांव पशु अस्पताल में नियमित डॉक्टर की तैनाती की जाए और अस्पताल को सुचारु रूप से संचालित कराया जाए, ताकि पशुपालकों को राहत मिल सके।

बलरामपुर गार्डन में २३वां राष्ट्रीय पुस्तक मेला: छठा दिन ब्रजेश पाठक ने किया विवेक की 'कर्मयोगी' का विमोचन दास्तानगोई में इस्मत चुगताई और रेडियो शैली में लखनवी जलस्रोत

लखनऊ। आध्यात्मिक जीवन हमें दुनिया से दूर नहीं करता, बल्कि हमें और गहराई में ले जाता है। २३वें राष्ट्रीय पुस्तक मेले में इस तथ्य को चरितार्थ करती धार्मिक आध्यात्मिक किताबें आम जन को अपनी ओर खींच रही हैं। मेला बलरामपुर गार्डन अशोक मार्ग पर ११ अक्टूबर तक जारी है। आज मेले का छठा दिन था। रामकृष्ण मठ के स्टाल पर रामकृष्ण परमहंस व स्वामी विवेकानंद के साहित्य के संग स्वामी अपूर्वानन्द की गीता व्याख्या, क्रोध पर विजय, स्वामी अभेदानन्द की योगदर्शन एवं योग-साधना, निखिलेश्वरानन्द की एकाग्रता और ध्यान जैसी कम कीमत मगर उच्च आध्यात्मिक स्तर की किताबें हैं। गायत्री ज्ञान मंदिर को स्टाल पर आचार्य श्रीराम शर्मा की वेदों, उपनिषदों की ऋग्वेद संहिता, सामवेद संहिता, १०८ उपनिषद जैसी व्याख्यात्मक पुस्तकों के संग गायत्री महाविज्ञान, हमारी संस्कृति इतिहास के कीर्ति स्तंभ, सूक्ष्मीकरण एवं उज्ज्वल भविष्य का अवतरण जैसी अनेक पुस्तकें हैं। यहां किताबों के दाम आठ रुपये से शुरू हैं। आर्य प्रतिनिधि सभा के स्टाल पर महर्षि दयानंद सरस्वती की सत्यार्थ प्रकाश मात्र ३० रुपये में है। यहां

वेद पुस्तक माला के अतिरिक्त आ. उदयवीर शास्त्री की न्यायदर्शनम्, वैशेषिक दर्शनम् ब्रह्मसूत्र, योगदर्शनम् के अलावा चरक संहिता, वाल्मीकि रामायण, विशुद्ध मनुस्मृति जैसी पुस्तकें हैं। ईएच एफ लर्निंग में गीता के अध्यायों

अंक, रामांक जैसे विशेषांक हैं तो कई साइज में मानस, सुंदरकांड, गीता, शिव पुराण, श्रीमद्भागवत आदि ग्रंथ मिल रहे हैं। रीतेश बुक में सदगुरु की कर्मा के संग दलाईलामा, परमहंस योगानंद और महर्षि अरविन्द की पुस्तकें हैं। सत्य



पर गीता मंथन शीर्षक से सांख्य योग, अर्जुन विषाद योग, पुरुषोत्तम योग जैसी श्रृंखलाबद्ध पुस्तकें हैं। साथ ही उपनिषदों के प्रश्नोपनिषद, केनोपनिषद आदि के भाष्य उपलब्ध हैं। पैराडाइज बुक के स्टाल पर हिंदी अंग्रेजी ओशो साहित्य में सेक्सरू तथ्य और भ्रान्तियां, काल आफ द ओशन व गहरे पानी पैठ जैसी किताबें और अन्य साहित्य प्रचुर मात्रा में है। गीता प्रेस के स्टाल पर कल्याण पत्रिका के श्री गणेश

मार्ग के स्टाल पर हिन्दी, अंग्रेजी व उर्दू में आओ नमाज सीखें, इस्लाम आतंक या आदर्श?, ताअलीमुल कुरआन, आप से कैसे करें स्टोरीज आप द प्राफेक्ट्स जैसी किताबें हैं। साथ ही सै.अबुल हसन अली नदवी की हिन्दुस्तानी मुसलमानों से साफ साफ बातें, मानवता का स्तर जैसी इस्लामी किताबें भी हैं। गिडियंस के स्टाल पर बाइबिल मुफ्त मिल रही है। अन्य स्टालों पर भी धर्म अध्यात्म की किताबें बहुत हैं। मेला मंच पर

आज शाम विवेक शुक्ल की पिता जस्टिस उमेश दत्त शुक्ल पर लिखी पुस्तक 'कर्मयोगी' का विमोचन उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। उन्होंने कहा— अपने अध्ययन के दौरान मैंने न्यायाधीश उमेश दत्त जी को विभिन्न पदों पर काम करते उनकी कर्मठता को देखा है। लेखक विवेक ने बताया कि लेखन में मुझे मां वीना शुक्ला और पत्नी नीना शुक्ला का बहुत सहयोग मिला। कार्यक्रम में डीएस शुक्ल, डा. अमिता दुबे, अलका प्रमोद, हरिमोहन बाजपेयी माधव, अजय कुमार मिश्र व मेला संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने विचार व्यक्त किये। मंच पर आज अरशाना अजमत की दास्तानगोई के स्वर गूँजे। अरशाना ने उर्दू साहित्यकार इस्मत चुगताई के व्यक्तित्व, जीवनगाथा और तित्व को दास्तां को समेटा। इसमें कुछ बातें मण्टो जैसे रचनाकारों की भी शामिल थीं। जल संरक्षण के मीनू खरे के संयोजन में हुए ब्लू ड्राप के कार्यक्रम में मेले की थीम के अनुरूप डा.जया तिवारी के महिलाओं के मेरी जिंदगी बैण्ड ने वंदे मातरम् की प्रस्तुति दी। यहां आरजे देवेन्द्र सिंह, डा.कुमुद, शोभित गुप्ता, स्वाति मालवीय, अमित कुमार को पूर्व प्रसार भारती अधिकारी डा.

सतीश ग्रोवर, डा.मिथिलेश व सुशील सीतापुरी ने सम्मानित किया। मीनू खरे और देवेन्द्र ने यहां गोमती और सहायक आठ नदियों कुकरेल, सई आदि नदियों के साथ मोतीझील, जमुना झील, टिकैत राय तालाब, छाछी कुआ, बड़े इमामबाड़े की शाही बावली, छतर मंजिल की जल व्यवस्था और बक्शी का तालाब के बारे में बताया। इससे पहले सुबह सुंदरम साहित्य संस्थान और नवोदय साहित्यिक संस्थान के काव्य समारोहों के साथ वरिष्ठ कविजन समिति का सम्मान समारोह हुआ। शाम को कामिनी श्रीवास्तव के जैसा और कुण्डलियों के संग्रह दिव्य सरोवर का विमोचन नरेंद्र भूषण और महेंद्र भीष्म ने किया। निरु शुल्क प्रवेश वाला ये मेला रोज सुबह ११ बजे से रात नौ बजे तक जारी इस मेले में खरीदी गई हर पुस्तक पर कम से कम १० प्रतिशत की छूट मिल रही है। फोर्स वन द्वारा आयोजित पुस्तक मेले के सहयोगी संस्थान यूपी मेट्रो, रेडियोसिटी, ओरिजिंस, किरण फाउंडेशन, ज्वाइन हैंड्स फाउंडेशन, लोकआंगन, विश्वम् फाउंडेशन, विजय स्टूडियो, गोल्डेन ग्रास और कविता किस्से कहानियां हैं।

सनशाइन हॉस्पिटल ने ममरी में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प, गांवो तक स्वास्थ्य लाभ देना मिशन-डॉ कौशल वर्मा

गोला गोकर्णनाथ खीरी, लखीमपुर, गांवो तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ममरी स्थित केडी मैरिज लान में निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन सनशाइन हॉस्पिटल एंड ड्रामा सेंटर के संचालक आर्थोपेडिक सर्जन एवं भाजपा नेता डॉ कौशल वर्मा ने बताया कि जसमें डॉ संजय कुमार एमबीबीएस, जनरल मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ एवं डॉ अमन वर्मा व हॉस्पिटल स्टाफ मौजूद रहा। कैम्प में क्षेत्र के ग्राम गोविंदापुर, खरगापुर, बरगदिया, झारा, खदनी, ममरी, हैदराबाद आदि गांवो के तकरीबन २०० सौ मरीजों ने निःशुल्क जांच व दवाएं प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ उठाया है। हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा की जांच, आर,बी,एस जांच, न्यूरोपैथी जांच, यूरिक एसिड, हीमोग्लोबिन की जांच निःशुल्क की गई हैं। डॉ

कौशल वर्मा ने बताया कि जरूरतमंद पीड़ित मानव की सेवा ही उनका धर्म है। हॉस्पिटल की तरफ से लखीमपुर सीतापुर

वर्षों से अनवरत जारी है। जिनमें हजारों लोग स्वास्थ्य लाभ पा चुके हैं। वहीं कई जरूरतमंदों को विभिन्न प्रकार के विकलांग



पीलीभीत बरेली जनपदों में सैकड़ों निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प लगाए जा चुके हैं। यह आयोजन

उपकरण भी निःशुल्क दिए जा चुके हैं। इसके अलावा प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान करना, बच्चों नगदी एवं पाठ्य सामग्री देना, गरीब बेटियों की शादी में आर्थिक मदद एवं उपहार देना भी शामिल है। बाढ़ की आपदा व अग्निपीड़ितों को मदद पहुंचाना उनका सेवा मिशन बना चुका है। गोला इलाके के सैकड़ों गांव के हजारों लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कैम्प लगाने का अभियान जारी रहेगा।

टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में देशभर के शिक्षक प्रतिनिधियों ने उठा

लखनऊ। अटल बिहारी बाजपेयी कन्वेंशन सेंटर, लखनऊ में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश समेत उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से शिक्षक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।ए मुद्दे कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह‘श अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष “डा. दिनेश चन्द्र शर्मा” ने की, जबकि संचालन संजय सिंह ने किया। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का संचार ही नहीं करते, बल्कि नई पीढ़ी के व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण के साथ राष्ट्र निर्माण की आधारशिला भी तैयार करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की भूमिका सदैव सर्वोपरि

रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा और शिक्षकों के हित में अनेक कार्य किए हैं। फेडरेशन की ओर से रखी गई मांगों को उचित फोरम पर उठाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। अति विशिष्ट अतिथि नीरज सिंह ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं और किसी भी राष्ट्र के भविष्य का सृजन करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि फेडरेशन की मांगों के समाधान के लिए शीघ्र ही प्रतिनिधिमंडल की मानव संसाधन विकास मंत्रालय से वार्ता कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि वे सदैव शिक्षकों के साथ खड़े हैं। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. दिनेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि देशभर के शिक्षक टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, पुरानी पेंशन बहाल करने सहित अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए फेडरेशन फिलहाल समन्वय का मार्ग अपना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकारों से

समन्वय स्थापित कर शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जा रहा है। “यदि समन्वय से समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो फेडरेशन संघर्ष का रास्ता अपनाने से भी पीछे नहीं हटेगा। राष्ट्रीय महासचिव राम मूर्ति ठाकुर ने देशभर से आए शिक्षक प्रतिनिधियों का आभार जताया। उन्होंने घोषणा की कि वर्ष २०२७ का राष्ट्रीय अधिवेशन झारखंड में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान दोनों अतिथियों को फेडरेशन की ओर से “११ सूत्रीय मांग-पत्र” सौंपा गया। इसमें प्रमुख रूप से आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए कानून बनाने, पीएफआरडीए/एनपीएस/यूपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने तथा देशभर के शिक्षकों को केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों के समान वेतनमान देने की मांग की गई। फेडरेशन ने आठवें वेतन आयोग में शिक्षकों को भी केंद्रीय कर्मचारियों की तर्ज पर संशोधित सुनिश्चित कैरियर योजना के अनुरूप वेतन

लाभ देने, प्रत्येक प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक पद स्वीकृत कर उनकी तैनाती करने तथा शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग रखी। मांग-पत्र में केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षकों के अनुरूप राज्यों के शिक्षकों को अवकाश सुविधा देने, प्रत्येक शिक्षक को न्यूनतम २० लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा और दो करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस देने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा संविधान के अनुच्छेद १७१(३)(ग) में संशोधन कर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापन कर रहे शिक्षकों को विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का अधिकार देने, बाल्य देखभाल अवकाश में संतानों की संख्या संबंधी प्रतिबंध हटाने तथा देशभर में विद्यालयों के संविलियन पर रोक लगाने की मांग की गई। फेडरेशन ने अब तक मर्ज किए जा चुके विद्यालयों को पुनः संचालित करने तथा सेवाकाल में मृत शिक्षकों के ऐसे आश्रितों, जो निर्धारित BTC/D-EI-Ed-, प्राथमिक स्तर की

टीईटी अथवा B-Ed. एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टीईटी की योग्यता रखते हों, को क्रमशः प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक पद पर नियुक्त करने की मांग भी उठाई। सम्मेलन में संजय सिंह, शिवशंकर पाण्डेय, राधेरमण त्रिपाठी, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, सुधांशु मोहन, वंदना सक्सेना, गौहर अहमद भट, विपिन प्रकाश शर्मा, ध्रुवपद घोषाल, ष्णानंद राय, बृजेश पाण्डेय, राहुल गवहाणे, प्रदीप पाटिल, वेद प्रकाश मिश्रा, अजय सिंह, त्रिवेन्द्र कुमार, आशुतोष त्रिपाठी, अक्षत पाण्डेय, संजीव शर्मा और प्रियांशु गौड़ सहित अनेक शिक्षक प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई

सीतापुर

मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक

सौरभ कुमार, बिहार

मो.09386075289

मो० अरशद

ब्यूरो चीफ

मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा साईं आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar @yahoo.in

adbhut_samachar @rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

गुरु रंधावा का नया गीत ‘फोशो’ रिलीज

मुम्बई। पंजाबी अभिनेता, गायक, गीतकार और संगीतकार गुरु रंधावा ने टी-सीरीज के साथ मिलकर अपना नया गीत ‘फोशो’ (फॉर श्योर) रिलीज किया है।



खास शख्स को पाने के जुनून और पूरे भरोसे को दर्शाता है। गुरु रंधावा ने कहा कि ‘फोशो’ के जरिए ऊर्जा को एक अलग ऊंचाई तक ले जाने की कोशिश की गई है। उन्होंने बताया कि गीत के वीडियो को विमान के अंदर फिल्माया गया है, जिससे इसकी मस्ती और जोश को नया अंदाज मिला है। प्रीत सिंह और हैरी सिंह द्वारा फिल्माए गए वीडियो में गुरु रंधावा यात्रियों और विमान के चालक दल के साथ डांस और मस्ती करते नजर आते हैं। विमान के उतरने के बाद एयरपोर्ट पर भी डांस का सिलसिला जारी रहता है। ‘फोशो’ अब सभी प्रमुख संगीत स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

पेरिस फैशन वीक में मियू मियू शो का हिस्सा बनीं जाह्नवी कपूर

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने पेरिस फैशन वीक में लग्जरी फैशन ब्रांड मियू मियू के शो में शिरकत कर अंतरराष्ट्रीय फैशन मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। रिया कपूर द्वारा स्टाइल की गई जाह्नवी



इस दौरान ब्राउन टेक्स्चर्ड जैकेट, रंगीन पैटर्न वाली निट मिनी स्कर्ट और बड़े सनग्लासेस में नजर आयीं। उनका लुक मियू मियू की युवा और आधुनिक शैली के अनुरूप रहा। जाह्नवी पिछले कुछ समय से मियू मियू के विभिन्न लुक्स में नजर आती रही हैं और ब्रांड के प्रमुख भारतीय चेहरों में अपनी पहचान बना रही हैं। पेरिस फैशन वीक में उनकी मौजूदगी ने वैश्विक फैशन जगत में भारतीय सिनेमा की उपस्थिति को भी रेखांकित किया।

‘नई नवेली’ का दूसरा गाना ‘फटा पटाखा’ रिलीज

मुम्बई। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो की फैंटेसी फैमिली एंटरटेनर फिल्म ‘नई नवेली’ का दूसरा गाना ‘फटा पटाखा’ रिलीज हो गया है। जी म्यूजिक कंपनी द्वारा प्रस्तुत इस



गाने को जी.वी. प्रकाश कुमार ने संगीतबद्ध और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं और मधुबंती बागची ने अपनी आवाज दी है। विजय गांगुली ने गाने की कोरियोग्राफी की है। गाने में यामी गौतम धर जॉम्बीज के साथ अनोखी डांस पार्टी करती नजर आ रही हैं। हाई-एनर्जी बीट्स, कैची हुक स्टेप और भव्य कोरियोग्राफी से सजा यह गाना फिल्म की फैंटेसी दुनिया में मनोरंजन का नया रंग जोड़ता है। जी.वी. प्रकाश कुमार ने कहा कि ‘फटा पटाखा’ के जरिए ‘नई नवेली’ की दुनिया के लिए ऐसा

ट्रैक तैयार करने की कोशिश की गई है, जो शुरू से ही जश्न और ऊर्जा का अहसास कराए। वायु के बोल, मधुबंती की आवाज और यामी की प्रस्तुति ने गाने की ऊर्जा को और बढ़ाया है। मधुबंती बागची ने

कहा कि ‘फटा पटाखा’ हास्य और जबरदस्त ऊर्जा से भरपूर है और इसे रिकर्ड करना उनके लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा। बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्डिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। ‘नई नवेली’ १६ अक्टूबर को दशहरा के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक